IUJ in Press

साइबर अपराध के खिलाफ प्रभात खबर का जन आंदोलन शुक्रवार को पहुंचा इक्फाई विश्वविद्यालय

साइबर अपराधी के प्रलोभन में नहीं फंसें : डीआइजी

प्रभात खबर टीम, रांची

साइबर अपराध के खिलाफ प्रभात खबर का जन आंदोलन शुक्रवार को शिवालिया स्थित इक्फाई विश्वविद्यालय पहुंचा. कार्यक्रम का उद्घाटन करीब मुख्य अतिथि संयुक्त इंटेलिजेंस ब्यूरो (एसआइबी) के डीआइजी चंदन झा, विशिष्ट अतिथि रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता व इक्फाई विवि के रजिस्ट्रार प्रो जेपी पटनायक ने संयुक्त रूप से किया. वे छात्र-छात्राओं को बताया कि साइबर अपराधी लालच और डर के जरिये लोगों के निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करते हैं. इन्हीं कमी चीजों से साइबर अपराधी मूमन माइंड को प्रभावित करते हैं. इसलिए आपलोग यह प्रण लें कि साइबर फ्रॉड के ट्रैप (जाल) में फंसेंगे नहीं. सतर्कता ही साइबर अपराध से बचाव का सबसे अच्छा तरीका है. उन्होंने उदाहरण दिया कि आज के समय में अपराधी व आतंकवादी टेलीग्राम ऐप को सबसे ज्यादा सेफ मानते हैं. साइबर फ्रॉड टेलीग्राम पर दो-तीन दिन में फर्ट टाइम जॉब का ऑफर देते हैं. आप लालच में नहीं फंसे, क्योंकि कोई भी जॉब इस तरह से नहीं मिलता. अगर आप कोई भी ऐप डाउनलोड करते हैं, तो सतर्क रहें. अनजाने मैसेज पर क्लिक करने से बचें. लेटेस्ट एंटी वायरस का उपयोग करें.

डिजिटल अरेस्ट के चक्कर में फंसकर दो-ढाई करोड़ रुपये गंवा दिया था : डीआइजी ने कहा कि कुछ दिनों पहले कर्नाटक में एक टीचरी ने डिजिटल अरेस्ट के चक्कर में फंसकर दो-ढाई करोड़ रुपये गंवा दिया था. वहीं वाद में सुसाइड कर लिया. डिजिटल अरेस्ट के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जबकि ऐसा कोई कानूनी प्रावधान नहीं है. डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ नहीं होता है. साइबर फ्रॉड विभिन्न राज्यों के अधिकारी बन कर लोगों को लगातार से डरा कर उनसे करते हैं. इसलिए साइबर अपराधियों से बचना है, तो सावधान रहें. लोभ में न पड़ें. फेडराली होने पर डायल 1930 पर कॉल करें और चाय के साइबर थाना या पुलिस थाना नाइबर शिकायत दर्ज करायें.

साइबर अपराधी ने लूटे नहीं छोड़ा, तो आपको क्या छोड़ेगा : रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने कहा कि साइबर अपराधी ने पूछी नहीं छोड़ा, तो आपको क्या छोड़ेगा. इसलिए लुभावने प्रलोभन में न फंसें. उन्होंने स्क्रीन पर एक वीडियो दिखाया, जिसमें तत्कालीन सिटी एसपी राजकुमार मेहता की थी. जबकि आवाज साइबर अपराधी की. साथ ही स्क्रीन पर एक नंबर दिख रहा था, जिसमें अकाउंट वेरिफिकेशन के नाम पर एक-एक हजार रुपये मांगा जा रहा है. कहा जा रहा है कि आपका पैसा पांच मिनट में वापस हो जायेगा. इस तरह उस साइबर अपराधी ने कई लोगों से इस तरह की ठगी की थी रांची. इससे दिमाग बदलने के नाम पर भी फ्रॉड सिटी एसपी की ही तस्वीर लगाकर लोगों से बात करना दिखा. श्री मेहता ने कहा कि इकोनॉमिक फ्रॉड से बचने के लिए लिंक को डाउन न करें.

रांची में भी सेक्सटॉर्शन गुप सक्रिय है, सावधान रहें : अगर अंजाना नंबर से अचानक कोई वीडियो कॉल आता है, तो सीधा फेस कर बात न करें. वर्ना आप सेक्सटॉर्शन के शिकार हो सकते हैं. रांची में भी सेक्सटॉर्शन ग्रुप सक्रिय हैं. यह लोगों को शिकार बना रहा है. एसपी ने कहा कि सोशल साइट पर अपना स्क्रीनशेयर शेयर करने से बचें. कुछ दिनों पहले चाँपा अनिल भारती उर्फ अनिल टाइगर को हत्या में अरेस्टपोर्ट ने उनके फेसबुक पर लगभग गजा रख उनके बारे में जानकारी एकत्र कर धटना को अंजाम दिया. कहा कि लड़कियां आसानी तरह-तरह की पोज देकर अपना स्टेटस शेयर करती हैं. यह उनके लिए कई बार परेशानी का कारण बन जाता है. ऐसी कई घटनाएं सामने आयी हैं.

साइबर अपराध के खिलाफ प्रभात खबर का जन आंदोलन

एसआइबी डीआइजी, रांची के सिटी एसपी और साइबर टीम ने छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ नहीं होता, कानून में ऐसा कोई प्रावधान नहीं होता

साइबर अपराध के खिलाफ प्रभात खबर का जन आंदोलन कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते अतिथि.

इक्फाई विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शामिल शिक्षक, अभिभावक और विद्यार्थी.

रजिस्ट्रार बोले

साइबर अपराध के मामले में भारत वर्ल्ड में सेकंड स्थान पर

इक्फाई प्रो रजिस्ट्रार प्रोफेसर जेपी पटनायक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि साइबर अपराध के मामले में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है. लेकिन खतरा पर रिसर्च रेट महज 14 प्रतिशत है. इसलिए इक्फाई द्वारा झारखंड पुलिस के सहयोग से साइबर फ्रॉड की रोकथाम के लिए कदम जा रहा जागरूकता अभियान सराहनीय है. ऐसे कार्यक्रम लगातार होते रहना चाहिए. कार्यक्रम का संचालन डॉ श्वेता गोस्सिया और प्रो सुस्मिता सिंह ने किया. कार्यक्रम का समन्वय मीडिया समन्वयक प्रो अमर कुमार गुप्ता ने किया.

विशेषज्ञों ने कहा : एटीएम कार्ड फंस जाये, तो बिना ब्लॉक कराये वहां से नहीं हटें

साइबर मामा प्रभारी डीएसपी मीनियास, दारोगा पंकज कुमार और साइबर थाना के टेक्निकल एक्सपर्ट संदीप कुमार ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधी से बचने के कई आसान टिप्स दिये. साइबर डीएसपी मीनियास ने साइबर सुरक्षा के उपाय बताये. पंकज कुमार और संदीप कुमार ने आम जानकारियां दीं. केस स्टडी दिखायी गयी.

किसी भी हालत में ओटीपी न बतायें

विशेषज्ञों ने बताया कि किसी भी परिस्थिति में ओटीपी शेयर न करें. यदि किसी दुकान में खरीदारी कर रहे हैं, वहां दुकानदार को ओटीपी बता सकते हैं. क्योंकि वह जानकारी रहेगी कि आपने उस दुकानदार को पेमेंट के लिए ओटीपी बताया था. कई बार साइबर फ्रॉड दुकानदार स्वयंम का प्रतीक्षेत्र शेयर ओटीपी मांगते हैं. इससे हमेशा सावधान रहना चाहिए.

बैंक के हेल्पलाइन नंबर की जगह अपना नंबर शेयर कर देते हैं अपराधी, फिर घटना को देते हैं अंजाम

साइबर थाना के टेक्निकल एक्सपर्ट संदीप कुमार ने बताया कि एटीएम में कार्ड फंस जाये, तो कार्ड ब्लॉक कराये बिना एटीएम न छोड़ें. क्योंकि साइबर अपराधी बैंक के हेल्पलाइन नंबर की जगह अपना नंबर दे देते हैं या इस नंबर को अपने नंबर पर परिवर्तन कर लेते हैं. कार्ड फंसने पर 24 घंटा या छुट्टी का दिन होने की बात कर बाद में कार्ड देने की बात कहते हैं. उसी दौरान अवसर पाकर वह साइबर अपराधी निरंतर के किसी सदस्य को एटीएम के पास भेज दिया जाता है. अपराधी एटीएम कार्ड निकाल कर खरीदारी कर लेता है या रुपये की अवैध निकासी कर लेता है. इसलिए कभी भी एटीएम में कार्ड फंसे, तो उसे बिना ब्लॉक कराये वहां से नहीं हटें.

लोकल मीडिया पर दोस्ती कर छात्रा से कर ली ठगी

दारोगा पंकज कुमार ने विद्यार्थियों को बताया कि कैसे लोकल मीडिया पर दोस्ती कर एक नौवीं की छात्रा से ठगी कर ली गयी. पहले एक युवक ने दोस्ती की और उसका वीडियो और फोटो एडिट कर छात्रा को भेज दिया. साथ ही वीडियो को ग्रुप पर अपलोड करने के नाम पर छात्रा को ब्लैकमेल करने लगा. इसके बाद छात्रा ने इसकी जानकारी मां को दी और मां ने पैसे लेकर साइबर अपराधी को ऑनलाइन पेमेंट किया. इसके बाद भी साइबर अपराधी नहीं माना और ब्लैकमेल करता रहा. रुपये नहीं होने पर जेवरात मांगने लगा. जेवरात लेने के लिए साइबर अपराधी रांची भी पहुंच गया. इसके बाद छात्रा की मां की सूचना पर साइबर पुलिस एक्टिव हुई. फोटो और वीडियो डिलीट कराया गया. दारोगा पंकज कुमार ने सलाह दी कि इस तरह के मामले की जानकारी पुलिस को जरूर दें.

विद्यार्थियों ने कहा

छात्रा खुशी ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट, वीडियो कॉल के माध्यम से ठगी आदि के संबंध में आम जानकारी मिली. पता चला कि यदि कोई अनजान व्यक्ति वीडियो कॉल करे तो या तो उसे रिसीव ही नहीं करना, यदि रिसीव करना भी है तो फोन को दूर रखना है. ताकि हमारा चेहरा नहीं दिख सके.

छात्र श्रीकांत महतो ने कहा कि साइबर अपराधी से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम में कक्षाओं से बहुत कुछ सीखने को मिला. कार्ड ऐसी बातें हैं जो अपने बुजुर्गों को बताना जरूरी है. अपने मुताबले व आसपास के लोगों को यहां से जानकारी ली छूट बातें बता कर उन्हें साइबर अपराध से बचाया जायेगा.

छात्रा दिव्या ने कहा कि हमें यह जानकारी मिली कि हर बात लोकल मीडिया पर शेयर नहीं करना है. क्योंकि साइबर अपराधियों की नजर लोकल मीडिया पर रहती है.

छात्र आयुष सहर डिटेल लेवर उस डिटेल को ही ठगी का माध्यम बना लेते हैं. अब हम खुद भी सावधान रहेंगे और लोगों को जागरूक करेंगे.

छात्रा रबीना ने कहा कि जॉब देने के नाम पर भी साइबर अपराधी ठगी कर रहे हैं. बढ़िया जॉब का लोक लुभावन विज्ञापन देखकर हम जैसे विद्यार्थी आसानि शेयर साइबर अपराधियों के चक्कर में फंस जाते हैं. लेकिन कार्यक्रम से जानकारी मिली कि इस प्रकार लक्ष के विज्ञापन से कैसे हम विद्यार्थियों को सतर्क रहना है.

छात्र इलियास खान ने कहा कि अनजान लड़कियों का लड़का द्वारा वीडियो कॉल कर ठगी करने के मामले की जानकारी कार्यक्रम में विस्तार से मिली. जानकारी मिली की वीडियो कॉल पर बात करते-करते कोई लड़की कैसे ठगी कर सकती है. वहीं बदनामी के डर से कई लोग अपनी गाढ़ी कमाई गवां रहे हैं.

विद्यार्थी साइबर सुरक्षा से रूबरू हुए : अमर गुप्ता

इक्फाई यूनिवर्सिटी के मीडिया को-ऑर्डिनेटर अमर कुमार गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों को काफी फायदा हुआ है. आज सोशल मीडिया का दौर है. हर लोग डिजिटल गैजेट का काफी अधिक उपयोग कर रहे हैं. इससे हमेशा साइबर फ्रॉड का खतरा बना रहता है. लेकिन कोई भी व्यक्ति जब तक कोई गलती या लालच में नहीं पड़ता है, तब तक साइबर अपराधी किसी का कुछ नहीं बिगाड़ सकते.

निवेश के नाम पर प्रलोभन देकर धोखाधड़ी करते हैं साइबर अपराधी

रहें जागरूक

वनीत संवाददाता, रांची

निवेश के नाम पर साइबर अपराधी धोखाधड़ी करते हैं. इसके लिए वे एपीके फाइलों का उपयोग कर सोशल मीडिया के जरिये लोगों को टारगेट करते हैं. फिर कम समय में भारी मुनाफे का झांसा देकर लोगों को झांसे में लेते के बाद साइबर फ्रॉड को अंजाम देते हैं. फ्रॉड करने के लिए सोशल साइट पर नकली प्रोफाइल बनाते हैं. इसके जरिये निवेश के अवसरों को बढ़ावा देते हैं. यहां किसी भी भाषा का उपयोग कर वे लोगों से सीधा संपर्क करते हैं. फिर उन्हें विशिष्ट निवेश समूहों में अमंत्रित करते हैं. एपीके फाइल डाउनलोड कराने के बाद साइबर अपराधी लोगों के मोबाइल पर एसएमएस को रोकने, व्यक्तिगत डाटा चुराने और डाटा ट्रांसफर करने में सक्षम हो जाते हैं. सीआइडी की साइबर एसपी रिचि तिवेदी ने बताया कि थोड़ी सी सावधानी बरतने से आम साइबर फ्रॉड से बच सकते हैं.

साइबर फ्रॉड से बचने के उपाय

- अज्ञात स्रोतों से कभी भी एपीके फाइल डाउनलोड न करें.
- एपीके फाइल इंस्टॉलेशन को हिंगी ऐप स्टोर तक सीमित रखें.
- अवास्तविक रिटर्न जैसे संदिग्ध प्रस्तावों से सावधान रहें.

- अनचाहे एसएमएस और लिंक पर क्लिक करने से बचें.
- सलाह के लिए अपने विश्वास्त रिलेटिव से संपर्क करें.
- धोखाधड़ी का सारा विवरण रिलेटिव करें और पुलिस को रिपोर्ट करें.
- अपने डिवाइस पर मेलवेयर के लिए सुरक्षा स्कैन करें.
- अगर आपको किसी ऐप पर संदेह है, तो उसे अनइंस्टॉल और ब्लॉक करें.
- मोबाइल व बैंकिंग कार्ड में उपयोग किये जा रहे अपने सभी पासवर्ड बदलें.